ताश मिल खेलो सांवरियां

जय श्री राधे भलव श्याम ताश मिल खेलो सांवरियां,

जिसमे बादशाह वनवारी जिसमे बेगम राधा प्यारी,
जिसमे दूलो है गिरधारी ताश खेलो सांवरियां,
जय श्री राधे भलव श्याम ताश मिल खेलो सांवरियां,

जिसमे दसी दसो दिशाए जिस में नो की नव दुर्गा है,
जिसमे अठी अष्ट कमल है ताश खेलो सांवरियां,
जय श्री राधे भलव श्याम ताश मिल खेलो सांवरियां,

जिसमे सती सप्तऋषि है जिसमे छगई छे ऋतुएँ है,
जिसमे पंजी पंज तत्व है ताश खेलो सांवरियां,
जय श्री राधे भलव श्याम ताश मिल खेलो सांवरियां,

जिसमे चौकी चार वेद है तीगी तीन लोक है,
जिसमे दूगी चाँद सूरज है ताश खेलो सांवरियां,
जय श्री राधे भलव श्याम ताश मिल खेलो सांवरियां,

जिसमे ईका इक संसार करलो नारायण से प्यार,
यही है इस दुनिया का सार ताश खेलो सांवरियां,
जय श्री राधे भलव श्याम ताश मिल खेलो सांवरियां,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11168/title/taash-mil-khelo-sanwariyan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |